भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-348

उत्तर देने की तारीख-22/07/2026

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) युग के अनुरूप विद्यालयी शिक्षा का आधुनिकीकरण किया जाना

348 **श्री कार्तिकेय शर्मा:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विद्यालयों और महाविद्यालयों में स्मार्ट कक्षाओं की स्थापना सहित विद्यालय संबंधी शिक्षा अवसंरचना के आधुनिकीकरण तथा विशेषकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों के कौशल उन्नयन हेतु सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाए जा रहे हैं और हरियाणा राज्य के संबंध में किए गए ऐसे उपायों का ब्यौरा क्या है तथा इस प्रयोजन के लिए व्यय की गई बजट राशि कितनी है;

(ख) क्या ऑनलाइन एवं एआई-सहायता प्राप्त अधिगम के प्रभाव, साथ ही विद्यार्थियों की घटती एकाग्रता अवधि, का अधिगम परिणामों पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में कोई विश्लेषण किया गया है; और

(ग) क्या सरकार विद्यालयों में डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करते हुए विद्यालय एवं महाविद्यालय पाठ्यक्रमों का आलोचनात्मक चिंतन, संप्रेषण कौशल और रोज़गार-क्षमता के अनुरूप पुनःअभिमुखिकरण करने का विचार रखती है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क): शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का हिस्सा है और अधिकांश सरकारी स्कूल राज्य सरकार और उसके निकायों के प्रशासन के अधीन हैं। शिक्षा मंत्रालय शिक्षण और अधिगम प्रक्रियाओं में आधुनिक तकनीक को एकीकृत करके शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए समग्र शिक्षा के तहत आईसीटी और डिजिटल पहल को कार्यान्वित करता है। इस योजना के तहत, वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपीएंडबी) में प्रस्तुत राज्य की आवश्यकताओं के अनुसार, छठी से बारहवीं कक्षा वाले सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में आईसीटी प्रयोगशालाएं और स्मार्ट क्लासरूम स्थापित करने के लिए निधि प्रदान की जाती है।

प्रबंध पोर्टल के अनुसार, अब तक राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 1,30,453 आईसीटी प्रयोगशालाएं और 1,17,705 स्मार्ट क्लासरूम कार्यात्मक हैं। हरियाणा राज्य ने समग्र शिक्षा और पीएम श्री योजना के माध्यम से क्रमशः 8012.5 लाख रुपये और 7238.74 लाख रुपये के बजटीय व्यय के साथ कुल 1,300 आईसीटी प्रयोगशालाएं और 3,484 स्मार्ट क्लासरूम प्रदान की हैं। राज्य में, 98.75 प्रतिशत स्कूलों में डिजिटल संसाधन जैसे कि आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लासरूम, लैंग्वेज लैब, अटल टिंकरिंग लैब्स, स्टेम लैब, टैबलेट, डिजिटल सामग्री और इंटरनेट के साथ एलईडी टीवी उपलब्ध हैं।

सीएसआईआर-इमटेक चंडीगढ़ में 110 शिक्षकों के लिए एआई फंडामेंटल, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स एवं रोबोटिक्स और 3डी प्रिंटिंग पर एक सप्ताह का आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। दीक्षा पोर्टल पर अब तक हरियाणा के उपयोगकर्ताओं सहित 1,28,070 लाभार्थियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) पर विभिन्न पाठ्यक्रम किए हैं।

(ख): हरियाणा राज्य ने सूचित किया है कि एससीईआरटी हरियाणा कक्षा गतिविधियों, प्रशिक्षण फीडबैक, मूल्यांकन डेटा और क्षेत्र निगरानी के माध्यम से डिजिटल लर्निंग के कार्यान्वयन की लगातार समीक्षा करता है।

(ग): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 स्कूल शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा और जीवन कौशल को एकीकृत करके स्कूल शिक्षा के लिए एक बहु-विषयक और समग्र दृष्टिकोण पर बल देती है, जिसमें महत्वपूर्ण सोच, संचार कौशल, अनुभवात्मक शिक्षा, रोजगार और डिजिटल अवसंरचना को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस दृष्टिकोण के अनुरूप, एनईपी 2020 के प्रावधानों के अनुसार विकसित स्कूल शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा (एनसीएफ-एसई), समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत कक्षा 6 से व्यावसायिक शिक्षा शुरू करने का प्रावधान करती है। यह योजना पूर्व-व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से कक्षा VI-VIII के छात्रों के लिए कौशल शिक्षा के अनुभव का प्रावधान करती है, जिसमें 10 बैगलेस दिन, 10 दिनों का एक अलग ऑफ-पाठ्यपुस्तक अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम और कौशल बोध, एनसीईआरटी गतिविधि-आधारित पाठ्यपुस्तक श्रृंखला शामिल है। इन पहलों का उद्देश्य छात्रों को सार्थक, परियोजना-आधारित अधिगम के माध्यम से काम की दुनिया में अपना पहला संरचित अनुभव प्रदान करना है।

कक्षा IX-XII के छात्रों के लिए, राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के साथ संरेखित कौशल पाठ्यक्रम प्रदान करके कौशल शिक्षा को एकीकृत किया गया है। कौशल मॉड्यूल माध्यमिक स्तर (कक्षा IX-X) में एक अतिरिक्त विषय के रूप में और वरिष्ठ माध्यमिक स्तर (कक्षा XI-XII) में एक वैकल्पिक विषय के रूप में पेश किए जाते हैं। कौशल पाठ्यक्रमों का चयन निर्धारित काल्पनिक घंटे, आयु और शैक्षिक योग्यता और स्कूली छात्रों के लिए उनकी उपयुक्तता के आधार पर किया जाता है। समग्र शिक्षा के तहत कौशल शिक्षा के कार्यान्वयन का उद्देश्य छात्रों की रोजगार क्षमता और उद्यमिता क्षमताओं को बढ़ाना है, जिससे देश के सभी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण कौशल शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित हो सके। इसका समर्थन करने के लिए, एनसीईआरटी (पीएसएससीआईवीई के माध्यम से) ने दीक्षा प्लेटफॉर्म पर संसाधन उपलब्ध कराए हैं, जिसमें 1,086 ई-सामग्री, 50 वर्चुअल स्किल लैब (हिंदी और अंग्रेजी) और कौशल-आधारित और नौकरी-भूमिका-उन्मुख शिक्षा का समर्थन करने वाले डिजिटल संसाधन शामिल हैं।

सूचित करियर विकल्पों का समर्थन करने के लिए, इस मंत्रालय द्वारा एनईपी 2020 के अनुकूल 500 करियर कार्डों की एक व्यापक करियर मार्गदर्शन पुस्तक प्रकाशित की गई है, जो छात्रों को विविध करियर मार्गों के बारे में शुरुआती जानकारी प्रदान करती है।

एससीईआरटी हरियाणा एसटीईएम मंच कार्यक्रम (2023-26, 4,000+ विज्ञान और गणित शिक्षकों तक पहुंचना), एससीईआरटी द्वारा 21वीं सदी के कौशल (2025-26, प्रशिक्षण 2000+ अधिकारियों और सलाहकारों) और कम्प्यूटेशनल सोच और कोडिंग (2026-27) पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से योग्यता-आधारित और अनुभवात्मक अधिगम का कार्यान्वयन कर रहा है। राज्य ने कॉलेजों और स्कूलों को कवर करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति मूल्यांकन और सत्यापन (एनईईवी) पोर्टल शुरू किया है, जिसने निरंतर व्यावसायिक विकास (2024-26, 100 स्कूलों को कवर करते हुए) के साथ-साथ कक्षा प्रथाओं में महत्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता, संचार, सहयोग और समस्या समाधान कौशल के एकीकरण को मजबूत करने में मदद की है और हरियाणा दीक्षा रिपॉजिटरी पर 17,000+ ई-संसाधनों के साथ डिजिटल शिक्षाशास्त्र का विस्तार किया है। इसके अतिरिक्त, एससीईआरटी 1,200 स्कूलों में टेक-स्किल्स क्लबों के माध्यम से डिजिटल बुनियादी ढांचे के प्रभावी उपयोग का समर्थन करता है।

*****